HK-SCH/1P/2.00

The House reassembled at two of the clock
MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): Mr. Deputy Chairman, Sir, at 11 o'clock ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you. You are the LoP. But our subject is discussion on the General Budget. ...(Interruptions)... What do you want to say? ...(Interruptions)...

श्री गुलाम नबी आज़ाद : सर, मैंने सुबह अपनी बात शुरू की थी, लेकिन उस वक्त आपने कहा था कि अपने दूसरे साथियों को बोलने दीजिए।

सर, अभी पांच स्टेट्स में इलेक्शंस हुए, जिनमें से दो स्टेट्स में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत मिला और एक में हमारी पार्टी को बहुमत मिला। गोवा और मणिपुर, इन दोनों स्टेट्स में कांग्रेस पार्टी को बीजेपी से ज्यादा एमएलएज़ मिले। गोवा में भारतीय जनता पार्टी को 13 सीटें मिलीं और कांग्रेस को 17 सीटें मिलीं एवं मणिपुर में बीजेपी को 21 एमएलएज़ मिले और कांग्रेस को 28 एमएलएज़ मिले। गोवा में सात powerful Ministers हार गए, यहां तक कि sitting Chief Minister भी हार गए। There is massive mandate against the ruling party in Goa. गोवा में, जहां बहुत छोटी कैबिनेट है, वहां पूरी की पूरी कैबिनेट ही हार गई। Chief Minister + 7 Cabinet

Ministers, आठ के आठ लोग हार गए। मेरे ख्याल में गोवा के साइज़ के हिसाब से वहां इतनी ही कैबिनेट होनी चाहिए। गवर्नमेंट के खिलाफ इससे ज्यादा मेंडेट और क्या हो सकता है? जनता का गुस्सा और क्या हो सकता है?

मणिपुर में केन्द्रीय सरकार की तरफ से कांग्रेस की सरकार को destabilize करने के लिए पूरे साल कोशिश की जा रही थी। Government of India ने कांग्रेस की गवर्नमेंट को destabilize करने के लिए हर तरीका इस्तेमाल किया था, इसके बावजूद भी कांग्रेस single largest party के रूप में emerge हुई और बीजेपी उससे बहुत नीचे थी।

माननीय डिप्टी चेयरमैन साहब, मैं आपके ध्यान में दो चीज़ें लाना चाहता हूं। जिन दो स्टेट्स, यूपी और उत्तराखंड में बीजेपी को massive majority मिली है, अभी तक वहां चीफ मिनिस्टर बनाने का उन्होंने कोई stake claim नहीं किया है, जबकि वहां तो यह काम जल्दी ही हो जाना चाहिए था। वहां तो वे उसी दिन, यानी 11 तारीख़ को ही सरकार बना सकते थे, उनसे कोई न पूछता। लेकिन आज 15 तारीख़ हो गई है और पिछले एक हफ्ते से बीजेपी उत्तराखंड और यूपी में गवर्नमेंट बनाने में असफल रही है। क्या वजह थी कि जहां इनको मेजॉरिटी नहीं मिली, जहां कांग्रेस को मेजॉरिटी मिली है, वहां तो उन्होंने पहले ही दिन से जैसे-तैसे जोड़-तोड़ शुरू कर दी और सुप्रीम कोर्ट की जो Constitution Bench थी, जिसमें से एक बैंच में 9 जजेज़ थे और दूसरी बैंच में पांच जजेज़ थे, उनकी उस जजमेंट की धज्जियां उड़ा दीं।

मैं 2002 की अपनी बात बताता हूं। उस समय जम्मू-कश्मीर में रूलिंग पार्टी National Conference थी और उनके 28 लोग जीते थे, जबकि हमारे 20 लोग जीते थे। जब गवर्नर से हमने कहा कि हमें ओथ दिलवाइए, तो उन्होंने कहा कि नहीं, सबसे पहले मैं एनसी को बुलाऊंगा। मैंने उनसे कहा कि एनसी ने कहा है कि हम सरकार नहीं बनाएंगे, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे कहें या न कहें, तब भी मुझे पहले उनको ही बुलाना होगा, बाद में चाहे वे हार जाएं या जीत जाएं। इस सबकी वजह से हमारा पूरा सिस्टम जोड़ने में लग गया और 2002 की जगह हमारी सरकार 2005 में बनी। इस एक वजह से पूरे अढ़ाई साल तक हम चीफ मिनिस्टर नहीं बन सके, क्योंकि गवर्नर ने कहा था कि जो single largest party है, पहले मैं उसको ओथ दिलवाऊंगा।

सर, यहां पर सुप्रीम कोर्ट की जजमेंट की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, हिन्दुस्तान के Constitution की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और गवर्नर्स को इस्तेमाल किया जा रहा है। हम इसका पूरी तरह से विरोध करते हैं। सरकार को *status quo* maintain करना चाहिए। गोवा और मणिपुर, इन दोनों जगह चीफ मिनिस्टर्स से इस्तीफा लिया जाना चाहिए, सरकार के द्वारा उनको बरखास्त किया जाना चाहिए और Congress Legislative Party के जो लीडर्स हैं, उन लीडर्स को गवर्नर के द्वारा ओथ दिलवाई जानी चाहिए, उन्हें अपना बहुमत प्रूव करने के लिए समय दिया जाना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद। (समाप्त)

(1q/ksk-rpm पर आगे)

قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : سر، میں نے صبح اپنی بات شروع کی تھی، لیکن اس وقت آپ نے کہا تھا کہ اپنے دوسرے ساتھیوں کو بولنے دیجئے۔

سر، ابھی پانچ اسٹیٹس میں الیکشنس ہوئے، جن میں سے دو اسٹیٹس میں بھارتیہ جنتا پارٹی کو اکثریت ملی اور ایک میں ہماری پارٹی کو اکثریت ملی۔ گووا اور منی پور، ان دونوں اسٹیٹس میں کانگریس پارٹی کو بی۔جے۔پی۔ کو زیادہ ایم۔ایل۔ایز ملے۔ گووا میں بھارتیہ جنتا پارٹی کو 13 سیٹیں ملیں اور کانگریس کو 17 سیٹیں ملیں اور منی پور میں بی۔جے۔پی۔ کو 21 ایم۔ایل۔ایز ملے اور کانگریس کو 28 ایم۔ایل۔ایز ملے۔ گووا میں سات پاورفل منسٹرس ہار گئے، یہاں تک کہ سٹنگ چیف منسٹر بھی ہار گئے۔ There is massive mandate against the ruling party in Goa. گووا میں، جہاں بہت چھوٹی کیبنیٹ ہے، وہاں پوری کی پوری کیبنیٹ ہی ہار گئی۔ چیف منسٹر + سات کیبنیٹ منسٹرس، آٹھ کے آٹھ کے لوگ ہار گئے۔ میرے خیال میں گووا کے سائز کے حساب سے وہاں اتنی ہی کیبنیٹ ہونی چاہئے۔ گوورنمینٹ کے خلاف اس سے زیادہ مینڈیٹ اور کیا ہو سکتا ہے؟ جنتا کا غصہ اور کیا ہو سکتا ہے؟

منی پور میں کیندریہ سرکار کی طرف سے کانگریس کی سرکار کو destabilize کرنے کے لئے پورے سال کوشش کی جا رہی تھی۔ گوورنمینٹ آف انڈیا نے کانگریس کی گوورنمینٹ کو destabilize کرنے کے لئے ہر طریقہ استعمال کیا تھا، اس کے باوجود بھی کانگریس single largest party کے روپ میں emerge ہوئی اور بی۔جے۔پی۔ اس سے بہت نیچے تھی۔

مانّئے ڈپٹی چیئرمین صاحب، میں آپ کےدھیان میں دو چیزیں لانا چاہتا ہوں۔ جن دو اسٹیٹس، یوپی اور اتراکھنڈ میں بی۔جے۔پی۔ کو massive majority ملی ہے، ابھی تک وہاں چیف منسٹر بنانے کا انہوں نے کوئی claim stake نہیں کیا ہے، جبکہ وہاں تو یہ کام جلد ہی ہو جانا چاہئے تھا۔ وہاں تو وہ اسی دن، یعنی 11 تاریخ کو ہی سرکار بنا سکتے تھے، ان سے کوئی نہ پوچھتا۔ لیکن آج 15 تاریخ ہو گئی ہے اور پچھلے ایک ہفتے سے بی۔جے۔پی۔ اتراکھنڈ اور یو۔پی۔ میں گوورنمینٹ بنانے میں ناکام رہی ہے۔ کیا وجہ تھی کہ جہاں ان کو میجورٹی نہیں ملی، جہاں کانگریس کو میجورٹی ملی ہے، وہاں تو انہوں نے پہلے ہی دن سے جیسے-تیسے جوڑ توڑ شروع کر دی اور سپریم کورٹ کی جو کانسٹی ٹیوشنل بینچ تھی، جس میں سے ایک بینچ میں نو ججز تھے اور دوسری بینچ میں پانچ ججز تھے، ان کی اس ججمینٹ کی دھجّیاں اڑا دیں۔

میں 2002 کی اپنی بات بتاتا ہوں، اس وقت جموں و کشمیر میں رولنگ پارٹی نیشنل کانفرنس تھی اور ان کے 28 لوگ جیتے تھے، جبکہ ہمارے 20 لوگ جیتے تھے۔ جب گورنر نے ہم سے کہا کہ ہمیں اوتھہ دلوائیے، تو انہوں نے کہا کہ نہیں، سب سے پہلے میں این۔سی۔ کو بلاؤنگا۔ میں نے ان سے کہا کہ این۔سی۔ نے کہا ہے کہ ہم سرکار نہیں بنائیں گے، تو انہوں نے جواب دیا کہ وہ کہیں یا نہ کہیں، تب بھی مجھے پہلے ان کو ہی بلانا ہوگا، بعد میں چاہے وہ ہار جائیں یا جیت جائیں۔ اس سب کی وجہ سے ہمارا پورا سسٹم جوڑنے میں لگ گیا اور 2002 کی جگہ ہماری سرکار 2005 میں بنی۔ اس ایک وجہ سے پورے ڈھائی سال تک ہم چیف منسٹر نہیں بن سکے، کیوں کہ گورنر نے کہا تھا کہ جو سنگل لارجیسٹ پارٹی ہے، پہلے میں اس کو حلف دلاؤنگا۔

سر، یہاں پر سپریم کورٹ کی ججمنٹ کی دھجیاں اڑائی جارہی ہیں ہندوستان کے کانسٹی ٹیوشن کی دھجیاں اڑائی جارہی ہیں اور گورنرس کو استعمال کیا جارہا ہے۔ ہم اس کا پوری طرح سے ورودھ کرتے ہیں۔ سرکار کو status quo maintain کرنا چاہیئے۔

گوا اور منی پور، ان دونوں جگہ چیف منسٹرس سے استعفی لیا جانا چاہیئے، سرکار کے ذریعہ ان کو برخاست کیا جانا چاہیئے اور کانگریس لیجسلیچر پارٹی کے جو لیڈرس ہیں، ان لیڈرس کو گورنر کے ذریعہ اوتھ دلوائی جانی چاہیئے، انہیں اپنی اکثریت ثابت کرنے کے لیے وقت دیا جانا چاہیئے۔ بہت بہت شکریہ۔

(ختم شد)

RPM-KSK/1Q/2.05

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, let us start the discussion on the Union Budget, 2017-18. ...(Interruptions)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have given notice for a motion. The motion is that this House will adopt a resolution, critical of what has happened, disapproving...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: There is no motion here. ...(Interruptions)...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I have given notice under Rule 267. ...(Interruptions)...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI): Sir, the Leader of the House wants to speak.

नेता सदन (श्री अरुण जेटली): माननीय उपसभापति जी, यह स्पष्ट है कि मणिपुर और गोवा, दोनों स्थानों पर एक हंग असेम्बली थी और स्वाभाविक है कि हंग असेम्बली में किसी एक दल का बहुमत नहीं होता। जो भी गठजोड़ बनते हैं, वे चुने हुए लोगों से बनते हैं। कोई ऐसा संवैधानिक तर्क नहीं है, सिद्धान्त नहीं है और कोई ऐसा निर्णय नहीं है कि ऐसा नहीं हो सकता है। पहले भी जो परम्परा रही है, उसमें स्पष्ट है कि राज्यपाल या राष्ट्रपति के पास दो options होते हैं। आप सिंगल लार्जेस्ट पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुला सकते हैं और अगर वैकल्पिक दृष्टि से कोई बहुमत का गठजोड़ बन चुका हो, तो आप उसे भी बुला सकते हैं। मैं चाहूंगा ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, listen.

श्री अरुण जेटली: मैं कहना चाहूंगा कि इसकी कई परम्पराएं हैं। झारखंड में बीजेपी के 30 विधायक थे, जेएमएम के 17 थे। आपके समर्थन के साथ 17 विधायकों वाले दल को सरकार बनाने के लिए बुला लिया गया था। आप यह मत भूलिए। वर्ष 1998 में जब श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को सरकार बनाने के लिए बुलाया गया, तो उस वक्त के राष्ट्रपति ने जो communique इश्यू किया था, उसमें ये दोनों चीजें स्पष्ट की थीं कि इस परिस्थिति में दोनों को weigh करने की आवश्यकता है कि सिंगल लार्जेस्ट पार्टी

को बुलाएं या वैकल्पिक गठबंधन अगर बन गया हो, जिसके पास बहुमत हो, तो उसे बुलाएं। जो भी तर्क आज़ाद साहब यहां दे रहे हैं, ये तर्क कल सुप्रीम कोर्ट के सामने दिए जा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट इन्हें अस्वीकार कर चुका है। उनका यह तक कहना था कि दो मिनट लगेंगे, आप दिखला दीजिए कि आपके पास 20 विधायक कहां से हैं।

महोदय, कांग्रेस पार्टी ने तो गोवा में दावा भी पेश नहीं किया था। जो कहते हैं कि हमने समय मांगा था, वह समय यह मांगा था कि आधी रात के बाद, गेट के अंदर आकर एक चिट्ठी फेंक गए थे। केवल इतना किया था। ...(व्यवधान)... यह कोई सिद्धान्त नहीं है, जबकि वैकल्पिक गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत हो, बहुमत के लोग राज्यपाल के सामने पेश हो चुके हों, राज्यपाल को लिखकर दे चुके हों और राज्यपाल ने जो निर्णय लिया है, उसके ऊपर कल स्पष्ट फैसला हो जाएगा कि बहुमत किसके साथ है। लोकतंत्र का आधार है कि सरकार बहुमत की बने, अल्पमत की नहीं। इसलिए अल्पमत को सरकार बनाने के लिए बुलाना, लोकतंत्र में इसकी कहीं कोई गुंजाइश नहीं है। ...(व्यवधान)...

नेता विरोधी दल (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : उपसभापति जी, हम गवर्नर के पास नहीं गए थे, तो क्या यूपी और उत्तराखंड में बीजेपी गवर्नर के पास सरकार क्लेम करने के लिए गई? यदि ऐसा है, तो फिर तो वहां माइनॉरिटी वाले को शपथ दिलानी चाहिए। हम कहेंगे कि जो भी माइनॉरिटी वाला है, वह वहां जाकर ...(व्यवधान)...

قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : اپ سبھا پتی جی، ہم گورنر کے پاس نہیں گئے تھے، تو کیا یو۔پی۔ اور اتراکھنڈ میں بی۔جے۔پی۔ گورنر کے پاس سرکار کلیم کرنے کے لئے گئی؟ اگر ایسا ہے، تو پھر تو یہاں مائنارٹی والے کو شپتھ دلانی چاہئے۔ ہم کہیں گے کہ جو بھی مائنارٹی والا ہے، وہ وہاں جاکر ---(مداخلت)---

श्री आनन्द शर्मा: दूसरे दल वालों को कल शपथ दिला दी। ...(व्यवधान)... बनाई कैसे, यदि बेईमानी से, चोरी से अगर सरकार बनाई जाए ...(व्यवधान)... संविधान का उल्लंघन कर के अगर सरकार बनाई जाए, तो उसे हम कैसे स्वीकार कर सकते हैं? ...(व्यवधान)... उसे हम बिलकुल स्वीकार नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)... नेता सदन ने सही स्थिति नहीं बताई। ... (व्यवधान)... नेता सदन ने यह नहीं बताया कि कितना डिफरेंस है। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the use of shouting? ...(Interruptions)... आप लोग क्या कर रहे हैं? ...(व्यवधान)... अब क्या कर सकते हैं? ...(व्यवधान)...चिल्लाने से क्या फायदा है? ...(व्यवधान)...

(1आर/पीएसवी पर जारी)

GSP-PSV/2.10/1R

MR. DEPUTY CHAIRMAN (CONTD.): No, no. ...(Interruptions)... Mr. Tamta, please listen. ...(Interruptions)... If you want a discussion, I am

ready to allow that but why do you shout slogans and what is its use? ...(Interruptions)...

Now, we have to take up the Union Budget. ...(Interruptions)... What will happen to the Budget discussion? ...(Interruptions)... What will happen to the Budget discussion? ...(Interruptions)... What can I do? ...(Interruptions)... Discussion on the Union Budget will be the casualty. ...(Interruptions)... We have no time. ...(Interruptions)... After the Union Budget, we have to take up the discussion on Railways. ...(Interruptions)... I have a long list of MPs who want to participate in the discussion. ...(Interruptions)... Mr. Tapan Kumar Sen has to continue his speech. ...(Interruptions)... Mr. Tapen Kumar Sen, would you like to speak? ...(Interruptions)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, how can I speak in this kind of din? ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: So, I have no option. ...(Interruptions)... The House is adjourned up to 3.00 p.m.

- - -

The House then adjourned at twelve minutes past two of the clock.